दि 18/10/22

V. C. Sir @ AYUSH University GKP
yesterday at 8:45 am

(32)

आयुर्वेद चिकित्सा में विश्वगुरु बनने की क्षमता

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में सोमवार को सात दिन चलने वाले सातवें आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयंती समारोह का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि दुनिया की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में विश्वगुरु बनने की क्षमता है। हानिरहित इस चिकित्सा पद्धति के प्रति बढ़ रही जन जागरूकता को और तीव्र किए जाने की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि ललित हरि राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय पांतीभीत के प्राचार्य प्रो. एसएस बेदार ने कहा कि आयुर्वेद का महत्व दिनों दिन बढ़ रहा है। 2022 से 2047 तक का समय आयुर्वेद का अमृत काल है। आयुर्वेद को वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति की बजाय प्रथम चिकित्सा पद्धति में स्वीकार करना होगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति प्रो. यूपी सिंह ने कहा कि कोरोना संकट काल में पूरे विश्व ने आयुर्वेद की महत्ता को स्वीकार किया है। अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल बाजपेयी ने कहा कि चिकित्सा पद्धतियों में आयुर्वेद सबसे पुरातन है। संचालन शांभवी शुक्ला व आशीष चौधरी ने किया। इस अवसर पर राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय की प्रोफेसर डा. शशि शर्मा, दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय के डा. डीपी सिंह, गुरु श्रीगोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की प्राचार्य डा. डीएस अजोधा, डा. सुनील सिंह, डा. गणेश पाटिल, डा. प्रज्ञा सिंह उपस्थित थीं।

समारोह में उपस्थित शिक्षक व छात्र-छात्राएं • जागरण

https://web.whatsapp.com